।। वेदाः सर्वहितार्थाय ।।

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान

पुणे-आलंदी-संगमनेर

वेद-सेवा परिचय

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

SCANNED

SCANNED

संतश्रेष्ठ श्री ज्ञानेश्वर महाराज

१३वी शतीके गीताके श्रेष्ठ भाष्यकार,
'वेदमाता' के निस्सीम पूजक,
'प्रतिष्ठान' का कृपाछत्र

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान

परिचय

वेद इस विश्वका आदिम वाङ्मय है । भारतीय संस्कृतिका मूलाधार है । इन पवित्र वेदोंका मुखोद्‌गत करके सात्त्विक आचरणसहित उनकी रक्षा करनेका कार्य इस देशमें अनादि कालसे चलता रहा । परंतु आजके आधुनिक वातावरणमें वेदविद्याका भीषण ह्रास हुआ । इस विद्याकी शासकीय तथा सामाजिक उपेक्षा भी हो रही है । किंतु परकीय संस्कृति के बढते हुए प्रभावको वेदाधिष्ठित विचार एवं मूल्योंसेही रोका जा सकता है ।

इस स्थितिमें वेदाध्ययन को प्रोत्साहित करने के एक मात्र हेतु से आचार्य श्री. किशोरजी व्यास ने कुछ धर्मप्रेमी सज्जनों के सहयोग से दिनांक २१ फरवरी १९९० के दिन चैतन्य आश्रम, आलंदी (जि. पुणे) में **'महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान'** की स्थापना की । इस समय महाराष्ट्र में प्रतिष्ठान के द्वारा संचालित आलंदी (जि. पुणे) तथा ढालेगाव (जि. परभणी) स्थित दो वेद विद्यालय कार्यरत है । चारों वेदों के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है । साथ-साथ अखिल भारतीय स्तर पर काम करनेवाले इस प्रतिष्ठान द्वारा वेद-शिक्षा के क्षेत्र में संतोषजनक कार्य करनेवालों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए विभिन्न रूपमें अनुदान (ग्रँट) देकर इस कार्य को गतिमान करने की एक अभूतपूर्व योजना कार्यान्वित है।

वेद, वेदांग तथा वेदोपयोगी संस्कृत भाषा शिक्षण को प्रोत्साहित करना प्रतिष्ठान का उद्देश्य है । ● वैदिक छात्रोंको छात्रवृत्ति ● वेदपाठशालाओंको अनुदान ● युवा वैदिकोंको अर्थसहयोग ● वृद्ध वैदिकोंको निवृत्ति दक्षिणा (पेंशन) ● वैदिक शिबिर-परिषद-सम्मेलनों का आयोजन ● वेद विषयक सुदीर्घ कालतक विशेष कार्य करनेवाले वैदिकोंको 'महर्षि वेदव्यास पुरस्कार' इत्यादि विविध रूपोंमें प्रतिष्ठान पिछले आठ वर्षोंसे कार्यरत है ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प.पू. आचार्य किशोरजी व्यास

श्रीमद् भागवत के मर्मज्ञ प्रवक्ता
विश्व वेद संमेलन के संरक्षक
देश-विदेशके अगणित भाविकोंके श्रद्धास्थान
एवं
महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के
संस्थापक - अध्यक्ष

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh
CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आदर्श वेदपाठशाला

यद्यपि वेदपाठशालाओंका संचालन यह प्रतिष्ठानका प्रधान उद्दिष्ट नहीं है, प्रतिष्ठान स्वयं दो पाठशालाएँ संचालित करता है - एक पुणे के समीप आलंदीमें, दूसरी गोदावरी के तट पर ढालेगांव (जि. परभणी) में । भावी वैदिक छात्र न केवल वेदज्ञ हों, वे सुसंस्कारित, सशक्त एवं समाजहितैषी नेतृत्त्व भी प्रदान कर सकें इस दृष्टिसे उनका सर्वांगीण संवर्धन यहाँ किया जाता है ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

उद्घाटन

वैदिक छात्र अपने देशका दर्शन करें, देशके अन्य छात्रोंसे परिचित हों तथा स्वस्थ प्रतियोगिताओं द्वारा अच्छे अध्ययनकी प्रेरणा प्राप्त करें इस हेतु प्रतिष्ठान वेदस्वाध्याय शिबिरोंका आयोजन करता है ।

श्री वेदस्वाध्याय शिबिर, भाग्यनगर (हैद्राबाद) का शुभारंभ मुख्य अतिथि पू. आचार्य धर्मेन्द्रजी

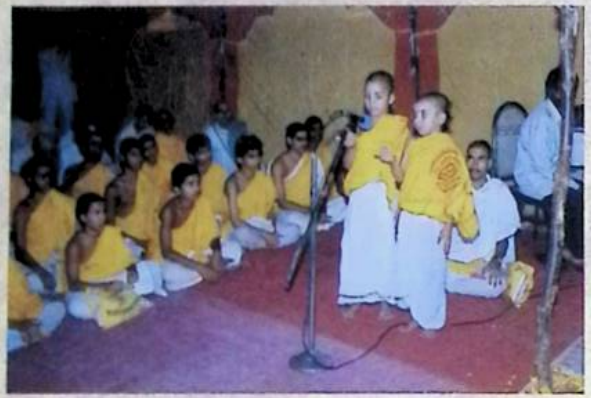

बाल वैदिकोंका आत्मविश्वासपूर्ण वेदपठन ।

वेदपठन

शिबिर यह अवसर होता है छात्रोंको स्वयं को परखने का - वेदप्रेमीयोंको इन नन्हें वैदिकोंके मधुर कण्ठोंसे वेदश्रवण करनेका ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

प्रभातफेरी

प्रातःकालमें ये भावी वैदिक वेदघोषसे एवं सुमधुर संस्कृत स्तोत्रोंसे लोगोंका प्रबोधन करते हैं ।

वेद स्वाध्याय शिबिर, नागपुर १९९३

वेद स्वाध्याय शिबिर, आलंदी

नियुद्ध

कराटे (वैदिक नियुद्ध) की साधना करनेवाले ये वैदिक मानों जता रहे हों - हम शास्त्रवेत्ता तो होंगे ही, सामर्थ्यसंपन्न भी ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वेद स्वाध्याय शिबिर, भाग्यनगर (हैद्राबाद)

आदर्श छात्र पुरस्कार

इन शिबिरोंमें सभी छात्रोंका अध्ययन वैदिक विद्वानों द्वारा परखा जाता है । तभी प्राप्त होती है छात्रवृत्ति एवं ऐसे 'आदर्श वैदिक छात्र पुरस्कार'

'आदर्श वेदविद्यालय'

जो वेदविद्यालय सर्वोत्कृष्ट अध्ययन एवं अध्यापन का प्रमाण दें उसे प्राप्त होता है सम्मान 'आदर्श वेदविद्यालय' का ।

वेद स्वाध्याय शिबिर, आलंदी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

गायत्री पुरश्चरणके अवसरपर
पू. आचार्य श्री किशोरजी व्यास वैदिक छात्रोंसमेत।

जनसामान्योंको वेदोंका, वैदिक कर्मकांडका परिचय हो और फलस्वरूप उनके मनमें वेदोंके प्रति आस्था जगे इस हेतु प्रतिष्ठान विविध अनुष्ठानोंका आयोजन करता है -

यज्ञभगवान् को आहुति समर्पित करते सश्रद्ध दंपति ।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

कार्यकी वर्धिष्णु रेखा

स्थापनाके पश्चात केवल आठ वर्षोंमें प्रतिष्ठान का वेदसेवा कार्य न केवल सुस्थिर हुआ है अपितु सतत संवर्धमान है -

वर्ष		लाभान्वित			कुल व्यय रु.
		छात्र	वैदिक	वेदपाठशाला	
प्रथम	१९९१-९२	१२२	५	६	२,१०,०००/-
द्वितीय	१९९२-९३	११२	६	२०	३,४४,९६०/-
तृतीय	१९९३-९४	१८३	७	४२	७,८०,४००/-
चतुर्थ	१९९४-९५	१९८	१५	३८	११,३१,५००/-
पंचम	१९९५-९६	२१६	२४	५८	१०,७७,५००/-
षष्ठ	१९९६-९७	२५५	३७	५४	९,६५,१००/-
सप्तम	१९९७-९८	२५६	३६	४९	११,५०,०००/-
कुल					५६,५९,४६०/-

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ऋग्वेद घनपाठी वेदमूर्ति सीतारामभट्ट आठल्येजीका पूजन

महर्षि वेदव्यास पुरस्कार

संपूर्ण जीवन अतिविशिष्ट वेदसेवा करनेवाले साक्षात् वेदोनारायणस्वरूप वैदिकोंका पूजन एवं उन्हें महर्षि वेदव्यास पुरस्कार से सम्मानित करने में प्रतिष्ठान स्वयं को कृतार्थ मानता है । आजतक देशके विभिन्न प्रांतोंसे ऐसे बारह वैदिकों को यह पुरस्कार समर्पित किया गया है ।

महर्षि वेदव्यास पुरस्कार मानपत्र

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आशीर्वाद

सामान्य जनताके आश्रयसे एवं श्रद्धाके साथ की गयी इस वेदसेवासे प्रभावित इन महानुभावो से आशीर्वाद ग्रहण करते हुए प्रतिष्ठान धन्यताका अनुभव करता है ।

कांचीकामकोटी पीठाधीश शंकराचार्य
प.पू. जयेन्द्रसरस्वती महाराज एवं शिष्यस्वामी
पू. विजयेन्द्रसरस्वती महाराज अमरावती शिविरमें

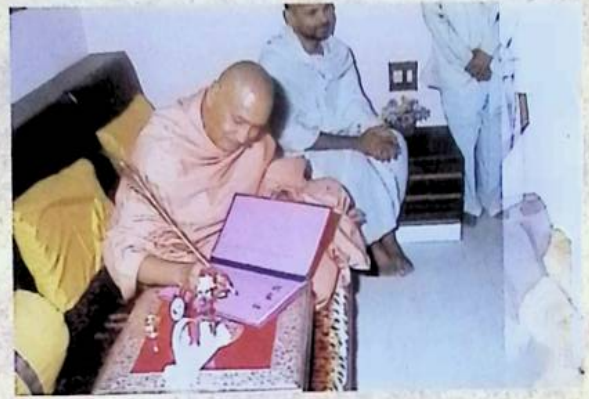

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान कार्यालय उद्घाटन
स्वामी सत्यमित्रानंदजी गिरीजी महाराज के हाथों

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वेदश्री तपोवन भूमिपूजन
सम्मान महाराष्ट्रके उपमुख्यमंत्री श्री. गोपीनाथ मुंडेजी का ।
मुख्य अतिथि मा. श्री. राजेन्द्रसिंहजी,
सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ।

भविष्यकी ओर अग्रसर

वेदरक्षाका कार्य सुचारु रूपसे सुस्थिर होनेपर अब प्रतिष्ठानकी दृष्टि है एक ऐसे वैदिक विश्वविद्यालयके स्थापनाकी ओर जो प्रतिष्ठानके कार्यके केंद्रस्वरूप होते हुए वैदिक विद्याके अनुसंधानका वैश्विक अधिष्ठान होगा ।

'वेदश्री-तपोवन'इस नामसे मंडित यह प्रकल्प आलंदी (पुणे) के समीप शीघ्र ही प्रकट हो रहा है ।

नामफलकका अनावरण

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh
CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

निर्माण वीर वैदिकोंका

'वेदश्री तपोवन' यह संस्कारभूमि होगी ऐसे 'वीर वैदिकों'की जो वैदिक संस्कृतिकी रक्षा, प्रचार करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर विश्वके किसी भी कोनेमें जाने के लिये सिद्ध है । आज ५०से भी अधिक छात्र इस दिशामें कृतसंकल्प हैं ।

प्रतिष्ठान के अविरत कार्यके फलस्वरूप अब समूचे देशमें वेदोंके प्रति आस्था-श्रद्धाका जागरण हो रहा है । ऐसे राज्योंसे, जहाँ वेदाध्ययन लुप्त हो गया है, माँग हो रही है वैदिक अध्यापकोंकी जो वहाँ पुनश्च हरिःओम् कर सकें ।

किसी भी शासकीय सहाय्यता के बिना चले इस वेदसेवा कार्य को आवश्यकता है आपके शुभकामनाओंकी, आपके आस्थाकी, आपके सहयोग की ।

चिद्विलास दर्शन
प्रतिष्ठान का मुखपत्र

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान

कार्यालय -
'नंदादीप', भारत चौक
मु. पो. संगमनेर ४२२ ६०५
जि. अ. नगर, (महाराष्ट्र)

संपर्क कार्यालय -
'धर्मश्री', मानसर अपार्टमेंटस्,
पुणे विद्यापीठ मार्ग,
पुणे ४११ ०१६, (महाराष्ट्र)

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh
CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान

न्यासी मंडल

आचार्य श्री. किशोरजी व्यास	(संस्थापक)	अध्यक्ष
श्री. मदनलालजी तापडिया	(मुंबई)	उपाध्यक्ष
श्री. ओंकारनाथजी मालपाणी	(संगमनेर)	मंत्री
श्री. रामेश्वरलालजी काबरा	(मुंबई)	कोषाध्यक्ष
श्री. हिरालालजी मालु	(पुणे)	सहमंत्री

डॉ. श्री. विश्वनाथजी देव	(वाराणसी)	श्री. गोपीलालजी डी. शर्मा	(पुणे)
डॉ. श्री. श्रीधर भास्कर वर्णेकर	(नागपुर)	श्री. भँवरलालजी सोनी	(जोधपुर)
आचार्य श्री. रामनाथजी 'सुमन'	(दिल्ली)	श्री. भागीरथजी लढ्ढा	(मुंबई)
श्री. महावीर प्रसादजी पेडिवाल	(कलकत्ता)	श्री. श्रीकिसनजी चेचाणी	(जालना)
श्री. हर्षदभाई एम्. शाह	(मुंबई)	श्री. सूरजभानजी गुप्ता	(दिल्ली)
श्री. श्रीनिवासजी बी. सोमाणी	(मुंबई)	श्री. राजीवजी गुप्ता चांदीवाले	(दिल्ली)
श्री. नारायणदासजी मारू	(मालेगांव)	श्री. बन्सीलालजी राठी	(मद्रास)
श्री. कैलाशनारायणजी भांगडिया	(हैद्राबाद)	श्री. राजकुमारजी अग्रवाल	(पुणे)
श्री. लक्ष्मीनिवासजी तापडिया	(गुलबर्गा)		

यह न्यास धर्मादा आयुक्त के पास *R.No. E* १४३८ (*Pune*) से पंजीकृत है
एवम् इसमे दिये गये अनुदान पर आयकर की धारा ८०-जी के अन्तर्गत छूट है।
। विदेशी मुद्रा नियमन विधि १९७६ (*FCRA*) के अनुच्छेद ६ (१) अनुसार विदेशी मुद्रामें दान स्वीकृतीकी अनुमति। १५

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh
CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आप कहते हैं . . .

महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के वेदसेवा कार्यसे जो वेदनिष्ठा निर्माण हो रही है उसीका रुपांतर राष्ट्रनिष्ठामें होगा ।
- मा. श्री. अशोकजी सिंघल

अल्पावधिमें प्रशंसनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करनेवाले महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के रुपमें मानो हमारे सम्मुख भारतीय संस्कृति का पुरुषार्थ खडा है ।
- पू. श्री. रमेशभाई ओझा

प्रतिष्ठान की वेदसेवा से पारंपरिक वैदिकों में आशा एवं आत्मविश्वास का जागरण हुआ है । आलंदी के युवा वैदिकों की संख्या और अध्ययन आलंदी को दक्षिण काशी बना रहा है ।
- वे. मू. डॉ. विश्वनाथजी देव

वैदिक शिक्षा के क्षेत्र मे सब से मौलिक कार्य प्रतिष्ठान की ओर से हो रहा है । इस कार्य में सांस्कृतिक उत्थान के प्रभावशाली बीज मैं देख रहा हूं । इस कार्य की छोटी मोटी किसी भी सेवा मे सर्वदा लगा रहूं यही मेरी उत्कट इच्छा है ।
- डॉ. श्री. भा. वर्णेकर 'प्रज्ञाभारती'

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2